2019 संगीत

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष | प्रथम प्रश्न पत्र सैध्दांतिक | सत्र– 2018–19

पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

**इकाई–1**

**परिभाषाएँ :**

अ. ग्रह, अंश, न्यास, अल्पत्त्व, बहुत्व, आलाप तथा बोल आलाप।

ब. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

**इकाई–2**

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
वृंदावनी सारंग, केदार, बिहाग।

ब. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का लेखन।

**इकाई–3**

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

ब. सामान्य ज्ञान : विलंबित ख्याल, ध्रुवपद, तराना।

**इकाई–4**

अ. तानपूरे का सचित्र विवरण।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

**इकाई–5**

अ. स्वामी हरिदास का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
त्रिलवाड़ा एवं कहरवा।

Schoudhary

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र सैध्दांतिक

सत्र – 2018–19
पूर्णांक– 30
उत्तीर्णांक–11
आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

**इकाई–1**

अ. ताल, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन।
ब. नाद की विशेषताएँ– सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि।

**इकाई–2**

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
पूरिया, मालकौंस, देस।
ब. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 40 सिद्धांत।

**इकाई–3**

अ. गायकों के गुण।
ब. गायकों के अवगुण।

**इकाई–4**

अ. तबले का सचित्र वर्णन।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद ।

**इकाई–5**

अ. तानसेन का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
धमार, दादरा।

JRana [illegible] [illegible] S.Choudhary

संगीत

**बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018—19**
**प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत**
**तंत्र एवं सुषिर वाद्य**

पूर्णांक :— 30

इकाई—1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः—
   देश, बागेश्री, बृन्दावनी सारंग, भीमपलासी।

2. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण रांग, ग्रह, अंश न्यास, अपन्यास, विन्यास का वर्णन।

इकाई—2

1. परिभाषाऐं:— अल्पत्व, बहुत्व, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग।
2. पाठ्यक्रम के रागों में मसीतखानी एवं रजाखानी गत (बोल, मात्रा, तोडो सहित) स्वरलिपि लेखन।

इकाई—3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन लयों में सवरलिपि लेखन :— एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
2. ग्राम, मूर्च्छना तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई—4

1. निम्नलिखित गीत प्रकारों का वर्णनः—
   लावनी, होरी, कजरी, चैती, मांड, गरवा, धुन, ध्रपद, धमार, तराना।

इकाई—5

जीवन परिचय एवं संगीतिक योगदान।

1. उ. अलाउद्दीन खॉ।
2. आचार्य भरत।
3. पं. रविशंकर।
4. पं. शारंगदेव।

Shoudhary

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– द्वितीय वर्ष

सत्र– 2018–19

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

- गत वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मे निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहाग, पूरिया, मालकौंस, देस)

1. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गीत का गायन।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत का गायन।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक विलंबित ख्याल का गायन (केवल बंदिश)।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों मे छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित) एवं एक तराना गायन।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों मे से किन्हीं एक राग में एक ध्रुवपद का गायन एवं दुगुन।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   तिलवाडा, कहरवा, दादरा, धमार।
8. लोकगीत का गायन।

Shoudhary

## बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
## द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
## तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययनः–
   भैरवी देशकार, ललित, पूरिया।
2. हार्मनी तथा मलॉड़ी की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–2

1. घराना व्याख्या एवं महत्व।
2. वाद्य संगीत के विभिन्न घराने(अपने वाद्य के संदर्भ में)

इकाई–3

1. रागों का समय चक्र– कोमल रे ध कोमल ग नी, परमेल प्रवेशक राग, अर्ध्वदर्शक स्वर, आश्रय राग संधि प्रकाश रागों के संदर्भ में।

इकाई–4

1. उत्तर भारतीय एवं कर्नाटक संगीत की स्वर पद्धति का विवेचना।
2. मध्यकालीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबन्ध लेखन।

बी0ए0 द्वितीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2018–19
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. भैरव, भैरवी, विलावल थातों में अलंकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिजराब के बोलो का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित किसी एक राग में मसीतखानी गत एवं सभी रागों में रज़ाखानी गत का वादन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों को हाथ पर ठाह, दुगुन एवं चौगुन लयों में प्रदर्शनः– एकताल, चौताल, झपताल, सूलताल।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित किन्ही दो रागों में झाला वादन।

Shoudhary